डॉ. के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश (सचिव भारत सरकार स्तर) का दिनांक 10 से 12 सितम्बर 2020 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र एवं केन्द्र द्वारा जनपद के 4 ब्लाकों में किये जा रहे कार्यक्रमों के फील्ड विजिट कार्यक्रम की कार्यवाही

दिनांक 10 – 12 सितम्बर 2020 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र पर डॉ के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार माननीय मुख्यमन्त्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी । इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रभारी, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रो. अजेय गुप्ता, गोरखपुर के डी.एस. टी. ओ. श्री चन्द्र शेखर प्रसाद सम्मिलित हुए । दिनांक 10/09/2020 को बैठक में डॉ. आर. पी. सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष द्वारा संक्षेप में तीन वर्ष की प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। दिनांक 11/09/2020 को डॉ के. वी. राजू द्वारा श्री आशीष कुमार सिंह (फार्म मैनेजर) व श्री जितेन्द्र कुमार सिंह (प्रयोगशाला सहायक) के साथ जनपद के सिक्टौर (चरगांवा - ब्लाक), गोनरपुरा (चरगांवा - ब्लाक), नयागांव (जंगल कौड़िया - ब्लाक), राखुखोर (कैम्पियरगंज - ब्लाक), रानाडीह (भरोहिया - ब्लाक), मुस्तफाबाद (पाली - ब्लाक) ग्रामों में कृषक के प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया गया । प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के कर्मचारियो द्वारा कृषको के समस्याओं को विस्तार पूर्वक आर्थिक सलाहकार महोदय के दिशा निर्देशन में एकत्रित किया गया। दिनांक 12/09/2020 को कार्यक्रम के प्रारम्भ में कृषकों द्वारा एकत्रित समस्याओं को श्री आशीष कुमार सिंह (फार्म मैनेजर) व श्री जितेन्द्र कुमार सिंह (प्रयोगशाला सहायक) द्वारा समति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो निम्नवत है –

1. सिक्टौर (ब्लाक - चरगांवा) - धान गेंहू में छुट्टा पशु एवं नीलगाय द्वारा फसल का नुकसान ,मछली पालन में बैंक द्वारा ऋण की समस्या, कृषि की सिंचाई हेतु बिजली का कामर्शियल कनेक्शन को घरेलू कनेक्शन मे करवाने की समस्या, व्लैक राइस को बेचने में परेशानी हो रही है । लेयर पोल्ट्री की तकनीकी जानकारी का अभाव । दूध के स्टोर की समस्या । लीची के पौध की अनुपलब्धता, केले की अन्य प्रजाति के पौध की आवश्यकता, सोलर पम्प खराब है बार – बार शिकायत करने के बाद भी कम्पनी द्वारा सही नहीं किया जा रहा है ।
2. गोनरपुरा (ब्लाक - चरगांवा) - धान गेंहू में छुट्टा पशु एवं नीलगाय द्वारा फसल का नुकसान, लेयर पोल्ट्री, बकरीपालन एवं मछलीपालन में बैंक द्वारा ऋण की समस्या, पाली हाउस, मशरूम उत्पादन एवं सीड प्रोसेसिंग कार्य को करने के लिए प्रशिक्षण एवं बैंक ऋण की आबश्यकता, दूध के स्टोर की समस्या
3. नयागाँव (ब्लाक – जंगल कौड़िया) - मत्सय बीज उत्पादन, मशरुम उत्पादन, लेयर पोल्ट्री कार्य करने हेतु बैंक ऋण में समस्या
4. राखूखोर (ब्लाक – कैम्पियरगंज) - लाबारिस पशु एवं नीलगाय द्वारा फसल का नुकसान हो रहा है । पशुबाड़ा में पशुओं को नहीं रखा गया है । मूंगफली उत्पादन कृषक विगत कई बर्षों से कर रहे है जिसमें उनको उत्पादन कम मिलता है । सोयाबीन की खेती करना चाहते हैं लेकिन यहां पर प्रोसेसिंग मशीन नहीं है । 10 महिला एवं पुरुष मशरुम उत्पादन व मधुमक्खी पालन करना चाहते हैं।
5. रानाडीह (ब्लाक – भरोहिया) - के सी. सी बैंक द्वारा नही बन पा रहा है । मनरेगा के तहत किसानों को कोई लाभ नहीं है । लेखपाल द्वारा के. सी. सी. मे जो 12 साला लगता है उसमें सब्जी के खेती के बावजूद गेहूं की खेती दिखाया जाता है । खीरा में सड़न रोग एवं करेला में पत्ती पीली हो रही है । नीलगाय की समस्या । खीरे में जड़ मे सड़न की समस्या । सब्जियों में कीट रोग आदि प्रबंधन किया जाय ।
6. मुस्तफाबाद (ब्लाक – पाली) - छुट्टा पशुओं एवं नीलगाय की समस्या ।व्यवसाय हेतु बैंक लोन प्राप्त नहीं हो पा रहा है

इसके पश्चात आर्थिक सलाहकार महोदय द्वारा वांछित तीन वर्ष की विषयवार कार्य योजना केन्द्र के सभी विषय वस्तु विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जनपद में कृषकों की आय बढ़ाने हेतु नवीनतम कृषि तकनीकी के प्रचारप्रसार हेतु - निम्नलिखित सुझावडॉ. के. वी. राजू जी एवं माननीय कुलपति जी व अन्य सदस्यों द्वारा दिए गए –

सुझाव

डॉ. आर. पी. सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष

1. जो हमारे गतिविधिया है उनका प्रचार प्रसार एवं प्रदर्शन जनपद की जलवायु पारिस्थितिकी अनुसार किया जाय।
2. फार्म मैकेनाइजेशन द्वारा खेती के कार्य को कम कर आय को बढ़ाया जाय।
3. पोस्ट हार्वेस्ट नुकसान को कम करके य में बढ़ोत्तरी करना।
4. सब्जी फल एवं अन्य उत्पादों का मूल्य संवर्धन करके आय बढ़ाना

श्री चन्द्र शेखर प्रसाद (डी.एस.टी.ओ.)

1. प्रोजेक्ट को शुरु करने हेतु भूमिका और लक्ष्य निर्धारित किया जाय
2. सोशल मीडिया के माध्यम से किसानो को प्रोजेक्ट के बारे में प्रचार प्रसार
3. फसलों का चयन भूमि के आधार पर हो और उसी अनुसार प्रोजेक्ट का चयन किया जाना चाहिए।
4. जो भी स्टाफ है उसको आने जाने के लिए किसानो को प्रोजेक्ट के प्रति उचित सुविधा दी जनि चाहिए

डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय

1. जैव उर्वरक के लिए प्रोजेक्ट
2. किसानो के लिए आय वर्धन हेतु टीम वर्क के लिए लाइन डिपार्टमेंट के साथ टीम का गठन

डॉ. अजित कुमार श्रीवास्तव

1. किसानो को अपने उपभोग एवं पोषण व्यवस्था को ठीक करने हेतु जैविक किचेन गार्डन को बढ़ावा देना
2. टिश्यु कल्चर केला जी-9 उपलब्ध कराने हेतु व्यवस्था करना
3. अमरुद की सघन बागवानी को बढ़ावा देना
4. गेंदा फूल की खेती को बढ़ावा देना

डॉ. विवेक प्रताप सिंह

1. किसानो को छोटे स्तर पर भी लोन मिले
2. पशु बीमा सभी के लिए हो
3. लाइन डिपार्टमेंट का किसानो के साथ सहयोग अच्छा हो
4. बकरी पालन पर प्रोजेक्ट किसानो के लिए के.वी. के. द्वारा लाया जाय

श्री अवनीश कुमार सिंह

1. सीड हब के लिए प्रोजेक्ट हो जिससे उच्च गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराकर उत्पादन , उत्पादकता एवं आय को बढ़ाया जा सके।
2. कस्टम हायरिंग के लिए प्रोजेक्ट, जिससे खेती खर्च को कम करके आय बढ़ाया जा सके।
3. वैज्ञानिक के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था हेतु आधुनिक तकनीकियों की उपलब्धता हो ।
4. नवीनतम जानकारी हेतु अन्य रिसर्च संस्थान में विषय वस्तु विशेषज्ञ का शैक्षिक भ्रमण कराया जाय तथा उनके कौशलएवं तकनीकी जानकारी बढ़ाने हेतु दीर्घकालिक प्रशिक्षण कराया जाय।

डॉ. राहुल कुमार सिंह

1. आई. सी. टी और बी कीपिंग के लिए प्रोजेक्ट
2. पैकेजिंग और स्टोरेज के लिए प्रोजेक्ट
3. मोबाइल वैन (मल्टीपर्पस)
4. विपरीत परिस्थिति में हेड को निर्णय लेने की पॉवर

डॉ. प्रदीप कुमार राव

1. कृषि विज्ञान केन्द्र में उत्पादन आय प्रतिमान हो
2. प्रत्येक ब्लॉक में हमारा एक मॉडल किसान हो
3. गो सेवा और कृषि का अपना विशिष्ट मॉडल हो
4. प्रत्येक गाँव में कम से कम 5 किसान से संपर्क हो

माननीय कुलपति दी.द.उ.गो.वि.वि.

1. 38000 किसानो का डाटा बेस तैयार हो
2. 10 FPOs का Intervention
3. 10 FPOs के सभी मेम्बर का पूरा डाटा
4. 10 FPOs व्यवसाय के आधार पर कार्य
5. ऑडियो विडियो कम्युनिकेशन सेन्टर की स्थापना

डॉ. के.वी. राजू

1. कोई भी छुट्टा पशु व नील गाय की समस्या को चिन्हित नहीं किया है जबतक वो हल नहीं हो जाता कुछ नहीं किया जा सकता।
2. सोमवार को सुबह तक इस मीटिंग के प्रोसीडिंग बनना है एवं आगामी तीन महीने की कार्य योजना उपलब्ध कराना है।
3. 30 सितम्बर तक अगले तीन साल की एक्शन प्लान की योजना बनानी है
4. योजन के लिए प्रमुख बिंदु निम्न है
    (i) एक्टिविटी बेस्ड टाइम प्लान
    (ii) फिजिकल टारगेट
    (iii) एरिया हे. में जिसमें कितने किसान कितने गांव और ब्लाक होंगे
    (iv) सप्लाई चेन डेवलपमेंट

(v) मानिटरिंग एवं लर्निंग

(vi) पी.पी.पी. मॉडल

(vii) यूज एंड पे मनी

कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रदीप राव प्रभारी, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र ने आये हुए समस्त अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।